20.09.2018 प्रभात खबर

केंद्रीय विश्वविद्यालय में आरएसएस के प्रचारक इंद्रेश कुमार ने कहा

भारत और तिब्बत ने सदियों से जीवन मूल्यों को साथ जीया है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विवि में सांस्कृतिक मूल्यों में तिब्बत विषय पर आयोजित व्याख्यान में शामिल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार.

भारत और तिब्बत ने सदियों से सत्य, अहिंसा, करुणा और मैत्री के जीवन मूल्यों को एक साथ जीया है, इसलिए दोनों देशों के बीच एक आस्था का संबंध है. चीन, तिब्बत की अस्मिता और पहचान को नष्ट करना चाहता है. विकास के नाम पर तिब्बत में लाखों सैनिक तैनात कर चीन उसे एक सैनिक अड्डे की तरह प्रयोग कर रहा है. यह कहना है कि भारत-तिब्बत सहयोग मंच के संयोजक और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार का. वे बुधवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के सांस्कृतिक मूल्यों में तिब्बत विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि चीन, तिब्बती महिलाओं को चीनी पुरुषों के साथ विवाह करने को विवश कर तिब्बती नस्ल को खत्म करने की साजिश रच रहा है, लेकिन भारत तिब्बती अस्मिता का लोप नहीं होने देगा. इस अवसर पर तिब्बत की निर्वासित सरकार की पूर्व गृहमंत्री ग्यारी डोलमा ने कहा कि भारत और तिब्बत के बीच सांस्कृतिक रिश्ते सदियों पुराने हैं. तिब्बत के लोगों के लिए भारत बुद्ध की पावन भूमि है और तिब्बत वृहद भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग है. डॉ रोमा यादव ने कहा कि भारत और तिब्बत के बीच अनेक समानताएं हैं. दोनों के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंध हैं. विवि के कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदू ने कहा कि इस प्रकार के विशिष्ट व्याख्यान भविष्य में भी आयोजित किये जायेंगे, ताकि युगद्रष्टा विद्वानों के विचारों से प्रेरित होकर युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकें. कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामाशीष , गोलकनाथ, डॉ शाहिद अख्तर और डॉ सुमन, रिजनल मिडलवे अप्रोच फोर वर्ल्ड पी के अध्यक्ष एन डोरजी और समन्वयक डेचेन वांगमो भी मौजूद थे.